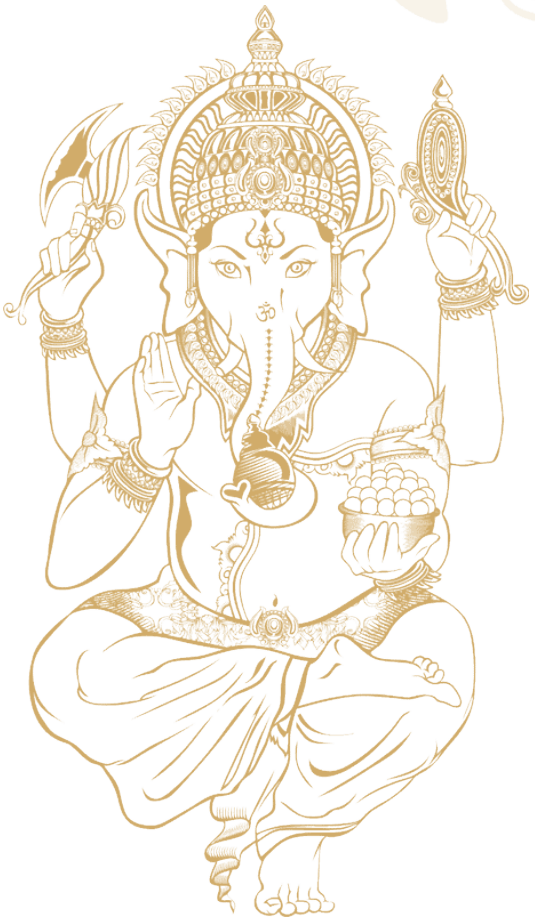

new

26 Jan 2026

12:22 PM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121353803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/01/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:22:00 घंटे**
इष्ट	12:55:46 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:01:12 घंटे
वेलान्तर	-00:12:29 घंटे
साम्पातिक काल	20:23:32 घंटे
सूर्योदय	07:11:41 घंटे
सूर्यास्त	17:55:17 घंटे
दिनमान	10:43:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	12:05:55 मकर
लग्न के अंश	23:45:04 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	23:45:04	430:17:20	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			मक	12:05:55	01:01:00	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	13:13:42	14:03:07	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मक	08:02:19	00:46:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
बुध		अ	मक	15:16:03	01:43:26	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:48:19	00:07:19	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	16:46:54	01:15:22	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	03:52:19	00:05:33	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:12:03	00:00:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:12:03	00:00:14	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:16:14	00:00:28	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:45:56	00:01:31	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:17:29	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मक	09:21:11	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

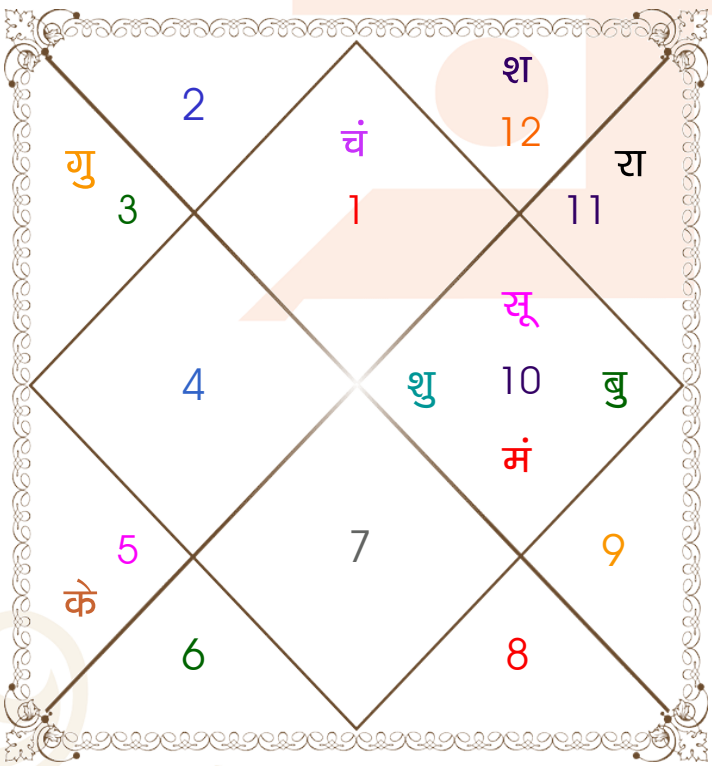

चन्द्र कुंडली

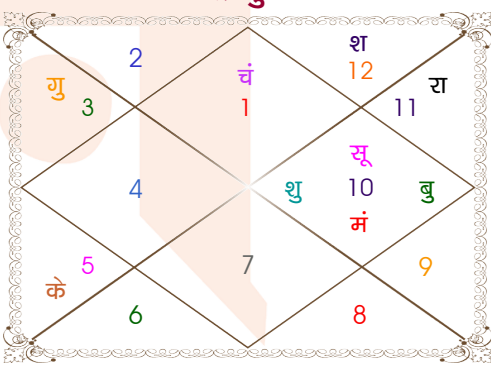

नवमांश कुंडली

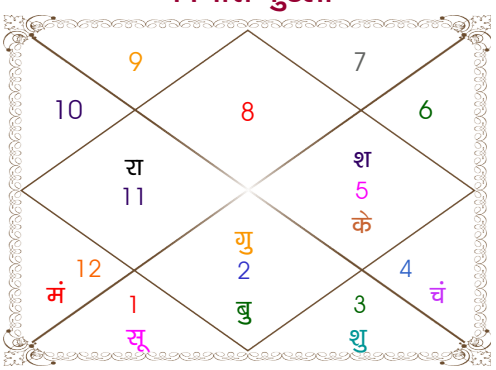

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 0 मास 20 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/01/2026		15/02/2026		15/02/2046		16/02/2052		15/02/2062	
15/02/2026		15/02/2046		16/02/2052		15/02/2062		15/02/2069	
00/00/0000	शुक्र	17/06/2029	सूर्य	05/06/2046	चंद्र	16/12/2052	मंगल	14/07/2062	
00/00/0000	सूर्य	17/06/2030	चंद्र	04/12/2046	मंगल	17/07/2053	राहु	02/08/2063	
00/00/0000	चंद्र	16/02/2032	मंगल	11/04/2047	राहु	16/01/2055	गुरु	08/07/2064	
00/00/0000	मंगल	17/04/2033	राहु	05/03/2048	गुरु	17/05/2056	शनि	17/08/2065	
00/00/0000	राहु	17/04/2036	गुरु	22/12/2048	शनि	16/12/2057	बुध	14/08/2066	
00/00/0000	गुरु	17/12/2038	शनि	04/12/2049	बुध	18/05/2059	केतु	10/01/2067	
00/00/0000	शनि	15/02/2042	बुध	11/10/2050	केतु	17/12/2059	शुक्र	11/03/2068	
26/01/2026	बुध	16/12/2044	केतु	15/02/2051	शुक्र	17/08/2061	सूर्य	17/07/2068	
बुध 15/02/2026	केतु	15/02/2046	शुक्र	16/02/2052	सूर्य	15/02/2062	चंद्र	15/02/2069	

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/02/2069		15/02/2087		16/02/2103		16/02/2122		16/02/2139	
15/02/2087		16/02/2103		16/02/2122		16/02/2139		27/01/2146	
राहु	29/10/2071	गुरु	05/04/2089	शनि	19/02/2106	बुध	15/07/2124	केतु	16/07/2139
गुरु	24/03/2074	शनि	17/10/2091	बुध	29/10/2108	केतु	12/07/2125	शुक्र	14/09/2140
शनि	28/01/2077	बुध	22/01/2094	केतु	08/12/2109	शुक्र	12/05/2128	सूर्य	19/01/2141
बुध	17/08/2079	केतु	29/12/2094	शुक्र	07/02/2113	सूर्य	18/03/2129	चंद्र	21/08/2141
केतु	04/09/2080	शुक्र	29/08/2097	सूर्य	20/01/2114	चंद्र	18/08/2130	मंगल	17/01/2142
शुक्र	04/09/2083	सूर्य	17/06/2098	चंद्र	21/08/2115	मंगल	15/08/2131	राहु	04/02/2143
सूर्य	29/07/2084	चंद्र	17/10/2099	मंगल	29/09/2116	राहु	03/03/2134	गुरु	11/01/2144
चंद्र	28/01/2086	मंगल	23/09/2100	राहु	06/08/2119	गुरु	08/06/2136	शनि	19/02/2145
मंगल	15/02/2087	राहु	16/02/2103	गुरु	16/02/2122	शनि	16/02/2139	बुध	27/01/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 0 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सके तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगे।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगे। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगे। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग के शिकार हो जाएंगे। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप में अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगे।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हों। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगे। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगे।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़े धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगे। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश को आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़े कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगे तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहते है, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगे।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप अपनी जान्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगे।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेते हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाते हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगे।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगे तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगे। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगे। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।